नवभारत
www.navbharatlive.com
ई-पेपर

आचार्य प्रशांत का VNIT नागपुर में भव्य स्वागत; छात्रों को समझाया अहंकार का दर्शन और FOMO से मुक्ति का मार्ग

Nagpur News: आचार्य प्रशांत ने VNIT नागपुर में छात्रों को FOMO और अहंकार के संकट से अवगत कराया। उन्होंने गीता के माध्यम से बताया कि कैसे संकुचित उद्देश्य जीवन और पर्यावरण को प्रभावित करते हैं।

Written By: रूपम सिंह
Updated On: Apr 12, 2026 | 01:48 PM

आचार्य प्रशांत ,नागपुर छात्रों (फोटो-सोशल मीडिया)

Follow Us :

Acharya Prashant VNIT Nagpur News: नागपुर में आयोजित अपने पहले सार्वजनिक सत्र में अभूतपूर्व सहभागिता और IIIT Nagpur में हुए ऊर्जावान संवाद के बाद, विश्वप्रसिद्ध दार्शनिक-लेखक Acharya Prashant का VNIT Nagpur में भव्य स्वागत किया गया। पूरे परिसर में उत्सुकता जिज्ञासा का वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ प्राध्यापक और शोधार्थी भी इस सत्र में सक्रिय रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर युवाओं की उपस्थिति और उनकी सहभागिता यह दर्शा रही थी कि समकालीन जीवन से जुड़े गहरे प्रश्नों पर संवाद की कितनी आवश्यकता महसूस की जा रही है।

संवाद सत्र के दौरान छात्रों ने शिक्षा, करियर, मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और जीवन के उद्देश्य जैसे विषयों पर अनेक गंभीर प्रश्न उठाए। एक छात्र द्वारा

इस संदर्भ में उन्होंने Bhagavad Gita का उल्लेख करते हुए बताया कि Duryodhana भी इसी मानसिकता का शिकार था। उसने अपने भीतर की असुरक्षा और तुलना की भावना के कारण ही Krishna के विरुद्ध खड़े होने का निर्णय लिया। आचार्य प्रशांत ने स्पष्ट किया कि FOMO का मूल कारण अहंकार है, जो व्यक्ति को यह विश्वास दिलाता है कि वह दूसरों से अलग और अपूर्ण है। यही अहंकार व्यक्ति को निरंतर अधिक पाने की दौड़ में लगाए रखता है, लेकि संतोष कभी प्राप्त नहीं होने देता।

सम्बंधित ख़बरें

NEET Paper Leak आरोपी पर दोहरा वार, CBI की गिरफ्त में मोटेगांवकर, अब पुणे में RCC कैंपस पर चला बुलडोजर

नागपुर दहेज प्रताड़ना: फाजिला पर थी जेठ की गंदी नजर, हार्ट अटैक नहीं, गला दबाने से हुई मौत

आचार संहिता के कारण बारामती नगर परिषद की आम बैठक फिर स्थगित, विकास के 77 महत्वपूर्ण प्रस्ताव अटके

महाराष्ट्र में केमिस्टों की महा-हड़ताल से हाहाकार; ऑनलाइन दवाओं के विरोध में बंद रहे लाखों मेडिकल स्टोर

उन्होंने आधुनिक संदर्भ में जलवायु परिवर्तन का उदाहरण देते हुए कहा कि यह संकट भी कहीं न कहीं उसी मानसिकता का परिणाम है, जिसमें व्यक्ति अधिक से अधिक प्राप्त करने की चाह में संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित और संसाधन-संपन्न वर्ग में यह प्रवृत्ति अधिक देखने को मिलती है, क्योंकि उनके पास विकल्प अधिक होते हैं और तुलना के अवसर भी अधिक होते हैं।

यह भी पढ़ें:- सुरों के आसमान का दूसरा तारा भी हुआ लुप्त…सीएम फडणवीस ने आशा भोसले के निधन पर जताया दुख, दी श्रद्धांजलि

युवाओं को व्यापक उद्देश्य अपनाने का संदेश

प्रश्नोत्तर सत्र के पश्चात आचार्य प्रशांत ने Bhagavad Gita के तृतीय अध्याय के श्लोक 24 और 25 पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि Krishna ने कुरुक्षेत्र में Arjuna के सामने केवल युद्ध का औचित्य नहीं रखा, बल्कि उसके सीमित और भ्रमित दृष्टिकोण को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य अपने छोटे-छोटे व्यक्तिगत लक्ष्यों और इच्छाओं में उलझा रहता है, तब तक उसके कर्म भी सीमित ही रहते हैं।

आचार्य प्रशांत ने यह भी रेखांकित किया कि अधिकांश लोग जीवन में बड़े उद्देश्यों की ओर इसलिए नहीं बढ़ पाते क्योंकि वे अपने विचारों और इच्छाओं को व्यापक दृष्टि से नहीं देख पाते। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि जीवन को सार्थक बनाना है, तो अपने लक्ष्यों को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखकर व्यापक सामाजिक और मानवीय संदर्भ में देखना आवश्यक है।

ज्ञात हो कि आचार्य प्रशांत इससे पूर्व देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों जैसे IITs, IIMs, AIIMS और IISc में हजारों युवाओं के साथ संवाद कर चुके हैं। नागपुर में VNIT Nagpur का यह सत्र भी उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पड़ाव साबित हुआ, जिसने विद्यार्थियों को आत्ममंथन और गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया।

नवभारत लाइव चैनल फॉलो करें

Web Title: Acharya prashant vnit nagpur session fomo and bhagavad gita teachings

Get Latest **Hindi News**, **Maharashtra News**, **Entertainment News**, **Election News**, **Business News**, **Tech**, **Auto**, **Career** and **Religion News** only on Navbharatlive.com

Published On: Apr 12, 2026 | 01:48 PM

Topics: AIIMS Nagpur IIT Maharashtra News Nagpur News